उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण

"संविधान दिवस" (26 नवम्बर, 2020) के उपलक्ष्य पर

मौलिक कर्तव्य और नागरिकों के कर्तव्य पर online कविता प्रतियोगिता में

कविता का विषय = स्त्री सम्मान एवं सशक्तीकरण !!

(सशक्त हुई हैं नारियाँ)

भ्रूण हत्या, बाल विवाह की, शिकार हुई हैं नारियाँ, *
घरेलू हिंसा, ताना-बाना, सब सहे हैं नारियाँ। *

बहुत सहे हैं अपमान और बहुत सही हैं गालियाँ *
वैश्यावृत्ति दास प्रथा की शिकार हुई हैं नारियाँ। *

मदर टेरेसा, मीरा देवी, इन्दिरा गाँधी लक्ष्मीबाई *
रजिया सुल्ताना दुर्गा बाई बन रही हैं नारियाँ। *

ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, जहाँ न पहुँची नारियाँ, *
सदियों पुरानी जंजीरों को तोड़ रही हैं नारियाँ। *

अपने हक की सब लड़ाई लड़ने लगी हैं नारियाँ, *
जहाँ चाहा वो हर मंजिल को, पाने लगी हैं नारियाँ। *

नारी सशक्तीकरण के दौर में बढ़ रही हैं नारियाँ, *
देश की सीमा या अन्तरिक्ष हो, सब जगह हैं नारियाँ। *

निर्णय लेने में सक्षम आज, हो रही हैं नारियाँ, *
शिक्षा पाकर देश को आगे बढ़ा रही हैं नारियाँ। *

गलत फहमी को दूर हटाओ, सशक्त हुई हैं नारियाँ *
पहले जैसी अबला नहीं रही हैं अब नारियाँ। *

सशक्त हैं, साकार हैं, कमज़ोर नहीं हैं नारियाँ, *
अब वह वक्त नहीं रहा, जो टूट के बिखरे नारियाँ। *

दरपण हैं, अक्स हैं, झुका सके ना कोई *
स्वाभिमानी हैं व आत्मनिर्भर भी हैं नारियाँ ।। *

जननी हैं, जीवन भी हैं, जज्बातों पे उसका जोर नहीं। *
साथ चलना हो तो हाथ बढ़ाना, पीछे हटना मंजूर नहीं। *
कुछ मांगा नहीं, कुछ चाहा नहीं,
बदला बस खुद को, कि रिश्ता टूट ना जाये कहीं। *

हाँ मैं स्त्री हूँ

मैं स्त्री हूँ, मैं स्वतन्त्र हूँ, मैं सार्थक हूँ,
मैं ही जीवन की धारक हूँ, मैं सम्मान हूँ।

हर पल जलती एक अग्नि में...
हर पल तपती एक ज्वाला में...
मैं अगम अनादि साधक हूँ, मैं सशक्त हूँ।

ना चाह है तेरे भावों की,
ना आस है तेरी राहों की....
मैं चल सकती हूँ हर पथ पे
मैं जीवन पथ की धावक हूँ....
मैं बेटी हूँ पत्नी हूँ, माँ भी हूँ,
मैं हर रिश्ते को परखूँ
तू नाम भले दे कोई भी मैं तो नारी हूँ।
हर भाव में मेरी गहराई....

आँखों में चाहे आँसू हो
पर टूट नहीं सकी हूँ मैं तभी नारी हूँ।
मेरा मन लोह की प्रतिमा है
बाहर से केवल भावुक हूँ
मैं स्त्री हूँ, मैं सम्मान हूँ, मैं सशक्त हूँ।

* भगवान को भी अपने गर्भ में रखने की
* ताकत रखती हूँ,
* कितना ही मुझे कुचलो मैं 'गर्व' से
* अपने सर को उठाकर चलती हूँ।

* अपने बच्चों के लिए सारे 'जहर'
* आसानी से पी लेती हूँ।

* इसलिए ही तो मैं स्त्री, सम्मान और
* सशक्तीकरण कहलाती हूँ।।

* * *

नाम ⇒ मिस्बाह नाज़
जन्म तिथि - 15-12-2006)
मो० नं० (8475808510)
(9756527252)
माता का नाम = सालिहा
जनपद - हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
पिता का नाम = मो० फरमान
कक्षा - 8th. विद्यालय = राजकीय इण्टर कॉलिज कासमपुर बहादराबाद हरिद्वार (UK)
गाँव का नाम - मुस्तफाआबाद
Email. Ummefioman 9557 @ gmail.com

9/10

Junior - Poem

TOPIC OF POEM: 'She' should be respected (WOMEN DIGNITY AND EMPOWERMENT)

'She' who cares for you,
'She' who sacrifices for you,
'She' who understand yourself better than you.
'She' who gifted this comfortable and delightful life to you.
'She' is a caring mother.

'She' who plays with you,
'She' who fights with you,
'She' who fearlessly supports you in mischiefs.
'She' who accompanies you in all sorrows and griefs.
'She' is a helping sister.

'She' who's a lifelong comrade of yours,
'She' who is a magnificent spouse to you,
'She' who knows every aspect of yours.
'She' who loves you more than anyone else do.
'She' is a loving wife.

'She', who is small but still worries the most for you,
'She' whose superhero is only you,
'She' whose life feels incomplete without you.

8/10

1. NAME → RIA JOSHI
2. DATE OF BIRTH → 04 APRIL 2007
3. MOTHER'S NAME → LEELA JOSHI
4. FATHER'S NAME → NARENDRA KR. JOSHI
5. HOME TOWN/VILLAGE → RANIKHET
6. DISTRICT NAME → NAINITAL
7. SCHOOL'S NAME → BEERSHEBA SENIOR SECONDARY SCHOOL HLD. NAINITAL
8. CLASS → VIII th
9. CONTACT NUMBER → 9457267912
10. E-mail ID → riajoshi351@gmail.com

'She' is your cute little doll with big dreams to acquire.
'She' is a perfect daughter.

'She' plays a crucial role in the world,
'She' is the one without whom your life is incomplete.
'She' loves you selflessly and asks for nothing in return.
'She' is the beginning of life and 'She' is the end,
This is something that all men need to understand.

'She' is the symbol of love and care,
Also 'she' gracefully manages the problems of life.
'She' represents prosperity and delight.
'She' is powerful, 'She's' strong, 'She's bold enough

'She' is the creator of life on Earth.
'She' should be respected.
'She' deserves......

—RIA JOSHI

7/10

कविता

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण है जरूरी
हर नागरिक को यह कर्तव्य निभाना है जरूरी।
पर्यावरण है हम सबकी जान,
इसलिए करो इसका सम्मान।
प्रकृति का मत करो शोषण
सब मिलकर बचाओ पर्यावरण।

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण है,
हमारी जिम्मेदारी,
प्रत्येक नागरिक को निभानी है अपनी,
हिस्सेदारी।
पेड़-पौधे को लगाना है,
पर्यावरण को बचाना है।

प्रकृति का रखो ख्याल,

सब मिलकर बचाओ पर्यावरण,

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण है समझदारी,

हर नागरिक को दिखानी है वफादारी

गन्दगी को हटाना है,

पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है।

प्रकृति को बनाओ सुन्दर

सब मिलकर बचाओ पर्यावरण।

प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण है सबकी

सुरक्षा

प्रत्येक नागरिक को बनाए रखनी है शालीनता

जिन्दगी को बचाना है।

पर्यावरण को सुरक्षित रखना है,

प्रकृति को बनाओ दोस्त,

सब मिलकर बचाओ [illegible]

नाम - कोमल बिष्ट

कक्षा - 5 'अ'

स्कूल - मोहन लाल साह
बाल विद्या मंदिर
नैनीताल

जन्म तिथि - 05/12/2004

मोबाइल नं० - 9410598242